

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर 2010

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-II

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

## भाग-I (षडबल)

1. निम्न कुण्डली में सभी ग्रहों के उच्च बल की गणना करें।  
लग्न-वृश्चिक 12:57, सूर्य-वृषभ 03:06, चन्द्र-धनु 16:55  
मंगल-मिथुन 14:50, बुध-मेष 16:48, गुरु-सिंह 28:34  
शुक्र-वृषभ 11:46, शनि-वृश्चिक 18:51, राहु-तुला 26:22
2. क) षडबल का फलादेश में क्या उपयोग है?  
ख) सृष्टियादि अहर्गण क्या है?
3. क) प्रश्न एक में दी गई कुण्डली के लिए केन्द्रबल की गणना करें।  
ख) बृहस्पति व बुध ग्रह के लिए प्रश्न एक में दी गई कुण्डली के लिए दिग्बल की गणना करें। राशि मध्य को ही भाव मध्य मान लें।
4. ग्रहों का कुल षडबल इस प्रकार है (षष्ट्यांश में) : सूर्य 540, चन्द्र 377.9  
मंगल 323.8, बुध 445.1, गुरु 419.7, शुक्र 486.3 और शनि 407.6  
क) ग्रहों का नैसर्गिक बल कितना है?  
ख) कौन-कौन से ग्रहों का आवश्यकता से कम बल मिला है?  
ग) ग्रहों को उनके बल के अनुसार क्रमवार लिखें?  
घ) भाव बल किन बलों से मिलकर बनता है?
5. निम्न का उत्तर दें :-  
i)  $280^\circ$  पर सूर्य का उच्च बल कितना होगा?  
ii) वर्गोत्तम बुध कर्क में है तो युग्मायुग्म बल कितना होगा?  
iii)  $15^\circ$  मकर में मंगल का द्रेशकोण बल कितना होगा?  
iv) पूर्णिमा पर चन्द्रमा का पक्षबल लगभग ----- होता है?  
v) इस ग्रह का अयन बल सदा 30 षष्ट्यांश से अधिक होता है।  
vi) यदि शनि की क्रांति 0 अंश है तो अयन बल कितना होगा?  
vii) शुक्र को कम से कम ----- रूपा का बल मिलना चाहिए।  
viii) चतुर्थ भाव का भावमध्य जलचर राशि से पड़ता है तो भाव दिग्बल कितना होगा?  
ix) मंगल का चेष्टा बल मदीय पर कितना होगा?  
x) यदि जन्म सोमवार को पाँचवीं होरा में है तो बुध का होरा बल कितना होगा?

## भाग-II (भाव निर्णय)

6. क) चतुर्थ, पंचम एवं सप्तम भाव के क्या फल है?  
ख) निम्न कुण्डली में उपरोक्त भावों पर प्रकाश डालें।  
लग्न-मिथुन 3:26, सूर्य-वृश्चिक 12:27, चन्द्रमा-वृश्चिक 8:36,  
मंगल-तुला 1:23, बुध-वृश्चिक 29:44, गुरु-तुला 27:15,  
शुक्र(व)-तुला 16:26, शनि(व) 24:26, राहु-कुंभ 3:55
7. क) षोडश वर्ग से आप क्या समझते हैं?  
ख) किसी भाव को समझने के लिए षोडश वर्ग का क्या उपयोग है?  
ग) क्या मात्र इन कुण्डलियों से फलादेश हो सकता है (बिना जन्म कुण्डली देखे)?  
घ) क्या योग इन वर्गों पर भी लागू होते हैं? चर्चा करें।
8. निम्न को समझाएं :-  
क) भावात भावम् नियम ख) भाव निर्णय जब राहु/केतु उपस्थित हो  
ग) भाव कुण्डली का महत्त्व ग) विमसोपाक बल
9. कारकों भाव नाशाय से आप क्या समझते हैं? यह नियम प्रयोग कर निम्न कुण्डली पर अपना मत प्रस्तुत करें।  
लग्न-वृश्चिक 17:48, सूर्य-सिंह 29:53, चन्द्र-वृश्चिक 29:13, मंगल-सिंह 7:45, बुध-कन्या 7:26, गुरु-मिथुन 1:08, शुक्र-कर्क 27:16, शनि-तुला 2:33, राहु-मकर 8:39
10. भाव निर्णय के सामान्य नियमों पर विस्तार से लिखें।